भारत सरकार
जनजातीय कार्य मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या †355
उत्तर देने की तारीख 24.06.2019

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय

†355 श्री अण्णासाहेब शंकर जोल्ले :

क्या जनजातीय कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) मंत्रालय द्वारा देश में वंचित जनजातीय जनसंख्या की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए चलाए जा रहे एकलव्य मॉडल आवसीय विद्यालयों (ईएमआरएस) का ब्यौरा क्या है;

(ख) देश के कुछ ही क्षेत्रों में ईएमआर विद्यालयों की स्थापना हेतु मापदंडों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार का प्रत्येक जिले में ईएमआर विद्यालय खोलने का विचार है ताकि देश के प्रत्येक वंचित जनजातीय बच्चे को कवर किया जा सके और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जनजातीय कार्य मंत्री
(श्री अर्जुन मुंडा) :

(क) अनुसूचित जनजाति के बच्चों को गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करने के लिए वर्ष 1997-98 में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) शुरू किए गए थे। ये विद्यालय जनजातीय बहुल क्षेत्रों में जनजातीय विद्यार्थियों को पाठ्येतर गतिविधियों के साथ-साथ अपर प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर की गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करते हैं, ताकि उन्हें शिक्षा में सर्वोत्तम अवसरों का उपयोग करने में सक्षम एवं सामान्य जनसंख्या के समतुल्य बनाया जा सके। मंत्रालय ने आज की तिथि तक देश के 26 राज्यों में स्थापित 433 स्कूलों को मंजूरी दी है। स्वीकृत विद्यालयों की राज्यवार संख्या **अनुलग्नक** में प्रस्तुत है।

(ख) तथा (ग) : सरकार की मौजूदा मंजूरी के अनुसार , 50% से अधिक अजजा जनसंख्या और कम से कम 20,000 जनजातीय व्यक्तियों वाले प्रत्येक ब्लॉक में वर्ष 2022 तक एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय होगा। वर्ष 2011 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार देश भर में, 50% से अधिक अजजा जनसंख्या और कम से कम 20,000 जनजातीय व्यक्तियों वाले 564 उप-जिले अर्थात ब्लॉक / तालुका / तहसीलें हैं। दिसम्बर, 2018 में सरकार द्वारा ईएमआरएस के लिए एक अलग स्कीम मंजूरी की गई थी। इस स्कीम के प्रारंभ में उपर्युक्त उप-जिलों में से 102 उप-जिलों में ईएमआरएस स्वीकृत किए गए थे। शेष उप -जिलों में वर्ष 2022 तक उपर्युक्त अनुसार नए ईएमआरएस स्थापित करने का निर्णय लिया गया है।

***

अनुलग्नक

दिनांक 24.06.2019 को पूछे जाने वाले लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 355 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

स्वीकृत ईएमआरएस के राज्यवार ब्यौरे

क्र.सं.	**राज्य के नाम**	**स्वीकृत ईएमआरएस (18.06.19 तक)**
1	आंध्र प्रदेश	19
2	अरुणाचल प्रदेश	8
3	असम	5
4	बिहार	2
5	छत्तीसगढ़	41
6	गुजरात	34
7	हिमाचल प्रदेश	4
8	जम्मू और कश्मीर	8
9	झारखंड	46
10	कर्नाटक	12
11	केरल	4
12	मध्य प्रदेश	45
13	महाराष्ट्र	24
14	मणिपुर	10
15	मेघालय	15
16	मिजोरम	11
17	नगालैंड	12
18	ओडिशा	57
19	राजस्थान	21
20	सिक्किम	4
21	तमिलनाडु	8
22	तेलंगाना	16
23	त्रिपुरा	12
24	उत्तर प्रदेश	4
25	उत्तराखंड	3
26	पश्चिम बंगाल	8
	कुल योग	**433**